उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:306 | देहरादून, बुधवार, 28 दिसंबर, 2022 | पृष्ठ:08

सर्दियों में पशुओं की अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता

अनिल मिश्रा (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ पीके उपाध्याय ने पशु पालकों हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए बताया की सर्दियों में पशुओं के बचाव के लिए अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है जिससे पशुओं का स्वास्थ्य सही रखने के साथ ही साथ दुग्ध उत्पादन पर भी प्रभाव न पड़े डॉ उपाध्याय ने बताया कि पशुपालकों को इस समय सचेत रहने की आवश्यकता है इसके अतिरिक्त यदि पशुओं के नाक व आंखों से पानी आ रहा हो तथा पशु को सांस लेने में परेशानी हो रही हो व पशु कांपने लगा है तो पशुपालक को समझ लेना चाहिए कि पशुओं को निश्चित रूप से सर्दी लग गई है उन्होंने सलाह दी है कि पशुओं को सीधी सर्दी से बचाने के लिए पशुओं को ऐसे स्थान पर रखें कि पशु को सीधे हवा का असर न हो पशुशाला के हमेशा दरवाजे व खिड़कियों पर जूट के बोरे या प्लास्टिक के पर्दे लगा दे उन्होंने सावधान करते हुए बताया कि रात में पर्दे गिरा कर रखें व दिन में पर्दे समेट दें जिससे दिन में पशुओं को सीधे सूर्य की धूप मिलेगी पशुशाला में अधिक से अधिक गर्माहट रखी जाए मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया की डॉक्टर उपाध्याय ने कहा है कि पशुशाला की साफ–सफाई तथा 2 या 3 दिन पर कीटाणु नाशक से धुलाई करें पशुओं को सर्दी में अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता होती है इसके लिए 300 ग्राम गुड प्रति पशु प्रतिदिन अवश्य खिलाएं तथा हमेशा पशुओं को ताजा पानी पिलाएं ठंडा पानी कदापि न दें इसके अतिरिक्त 1 किलो अतिरिक्त दाना की भी आवश्यकता होती है यदि पशुओं में अफरा रोग' हो जाता है तो पशुओं को 400 से 500 ग्राम सरसों का तेल तथा 50 से 60 मिली तारपीन का तेल पिलाने से आराम मिलता है उन्होंने कहा पशुओं में यदि कोई समस्या हो तो निकटतम पशु चिकित्सक से अवश्य परामर्श करें।

वर्ष : 7, अंक : 229 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, गुरुवार
29 दिसम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3.00

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

www.shashwattimes.com

नगर निकाय चुनाव के बाद अकेला रह जाएगा सैफई परिवार: केशव मौर्य ...6

1988 ऑस्ट्रेलिया में विक्टोरियाई पोस्ट ऑफिस संग्रहालय बंद हुआ। (विश्व इतिहास) 1977 विश्व का सबसे बड़ा ओपन एयर थियेटर

सर्दियों में पशुओं के बचाव हेतु अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता: डॉ पीके उपाध्याय

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ पीके उपाध्याय ने पशु पालकों हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए बताया की सर्दियों में पशुओं के बचाव के लिए अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। जिससे पशुओं का स्वास्थ्य सही रखने के साथ ही साथ दुग्ध उत्पादन पर भी प्रभाव न पड़े। डॉ उपाध्याय ने बताया कि पशुपालकों को इस समय सचेत रहने की आवश्यकता है इसके अतिरिक्त यदि पशुओं के नाक व आंखों से पानी आ रहा हो तथा पशु को सांस लेने में परेशानी हो रही हो व पशु कांपने लगा है तो पशुपालक को समझ लेना चाहिए कि पशुओं को निश्चित रूप से सर्दी लग गई है। उन्होंने सलाह दी है कि पशुओं को सीधी सर्दी से बचाने के लिए पशुओं को ऐसे स्थान पर रखें कि पशु को सीधे हवा का असर न हो। पशुशाला के हमेशा दरवाजे व खिड़कियों पर जूट के बोरे या प्लास्टिक के पर्दे लगा दे। उन्होंने सावधान करते हुए बताया कि रात में पर्दे गिरा कर रखें व दिन में पर्दे समेट दें। जिससे दिन में पशुओं को सीधे सूर्य की धूप मिलेगी। पशुशाला में अधिक से अधिक गर्माहट रखी जाए। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया की डॉक्टर उपाध्याय ने कहा है कि पशुशाला की साफ-सफाई तथा 2 या 3 दिन पर कीटाणु नाशक से धुलाई करें। पशुओं को सर्दी में अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता होती है इसके लिए 300 ग्राम गुड प्रति पशु प्रतिदिन अवश्य खिलाये। तथा हमेशा पशुओं को ताजा पानी पिलाएं ठंडा पानी कदापि न दें। इसके अतिरिक्त 1 किलो अतिरिक्त दाना की भी आवश्यकता होती है। यदि पशुओं में अफरा रोग हो जाता है तो पशुओं को 400 से 500 ग्राम सरसों का तेल तथा 50 से 60 मिली तारपीन का तेल पिलाने से आराम मिलता है। उन्होंने कहा पशुओं में यदि कोई समस्या हो तो निकटतम पशु चिकित्सक से अवश्य परामर्श करें।

सर्दी में पशुओं का करें बचाव, जूट के बोरे पहनायें

रोज पशुओं को खिलायें 300 ग्राम गुड, सर्दी में अधिक ऊर्जा की आवश्यकता

पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग के डॉ पी.के. उपाध्याय ने जारी की पशु पालकों के लिए एडवाइजरी

कानपुर, 28 दिसम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग के डॉ पी.के. उपाध्याय ने पशु पालकों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया की सर्दियों में पशुओं के बचाव के लिए अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। जिससे पशुओं का स्वास्थ्य सही रखने के साथ ही साथ दुग्ध उत्पादन पर भी प्रभाव न पड़े। डॉ उपाध्याय ने बताया कि पशुपालकों को इस समय सचेत रहने की आवश्यकता है इसके अतिरिक्त यदि पशुओं के नाक व आंखों से पानी आ रहा हो तथा पशु को सांस लेने में परेशानी हो रही हो व पशु कांपने लगा है तो पशुपालक को समझ लेना चाहिए कि पशुओं को निश्चित रूप से सर्दी लग गई है।उन्होंने सलाह दी है कि पशुओं को सीधी सर्दी से बचाने के लिए पशुओं को ऐसे स्थान पर रखें कि पशु को सीधे हवा का असर न हो।पशुशाला के हमेशा दरवाजे व खिड़कियों पर जूट के बोरे या प्लास्टिक के पर्दे लगा दे। उन्होंने सावधान करते हुए बताया कि रात में पर्दे गिरा कर रखें व दिन में पर्दे समेट दें। जिससे दिन में पशुओं को सीधे सूर्य की धूप मिलेगी। पशुशाला में अधिक से अधिक गर्माहट रखी जाए। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि पशुशाला की साफ-सफाई तथा 2 या 3 दिन पर कीटाणु नाशक से धुलाई करें। पशुओं को सर्दी में अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इसके लिए 300 ग्राम गुड प्रति पशु प्रतिदिन अवश्य खिलाये। तथा हमेशा पशुओं को ताजा पानी पिलाएं ठंडा पानी कदापि न दें। इसके अतिरिक्त 1 किलो अतिरिक्त दाना की भी आवश्यकता होती है। यदि पशुओं में अफरा रोग हो जाता है तो पशुओं को 400 से 500 ग्राम सरसों का तेल तथा 50 से 60 मिली तारपीन का तेल पिलाने से आराम मिलता है। उन्होंने कहा पशुओं में यदि कोई समस्या हो तो निकटतम पशु चिकित्सक से अवश्य परामर्श करें।

सर्दियों में पशुओं के बचाव हेतु अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता डा .पीके उपाध्याय

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(सत्येंद्र कुमार)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ पीके उपाध्याय ने पशु पालकों हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए बताया की सर्दियों में पशुओं के बचाव के लिए अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। जिससे पशुओं का स्वास्थ्य सही रखने के साथ ही साथ दुग्ध उत्पादन पर भी प्रभाव न पड़े। डॉ उपाध्याय ने बताया कि पशुपालकों को इस समय सचेत रहने की आवश्यकता है इसके अतिरिक्त यदि पशुओं के नाक व आंखों से पानी आ रहा हो तथा पशु को सांस लेने में परेशानी हो रही हो व पशु कांपने लगा है तो पशुपालक को समझ लेना चाहिए कि पशुओं को निश्चित रूप से सर्दी लग गई है उन्होंने सलाह दी है कि पशुओं को सीधी सर्दी से बचाने के लिए पशुओं को ऐसे स्थान पर रखें कि पशु को सीधे हवा का असर न हो पशुशाला के हमेशा दरवाजे व खिड़कियों पर जूट के बोरे या प्लास्टिक के पर्दे लगा दे। उन्होंने सावधान करते हुए बताया कि रात में पर्दे गिरा कर रखें व दिन में पर्दे समेट दें। जिससे दिन में पशुओं को सीधे सूर्य की धूप मिलेगी। पशुशाला में अधिक से अधिक गर्माहट रखी जाए। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया की डॉक्टर उपाध्याय ने कहा है कि पशुसाला को साफ-सफाई तथा 2 या 3 दिन पर कीटाणु नाशक से धुलाई करें। पशुओं को सर्दी में अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता होती है इसके लिए 300 ग्राम गुड़ प्रति पशु प्रतिदिन अवश्य खिलाये। तथा हमेशा पशुओं को ताजा पानी पिलाएं ठंडा पानी कदापि न दें। इसके अतिरिक्त 1 किलो अतिरिक्त दाना की भी आवश्यकता होती है। यदि पशुओं में अफरा रोग हो जाता है तो पशुओं को 400 से 500 ग्राम सरसों का तेल तथा 50 से 60 मिली तारपीन का तेल पिलाने से आराम मिलता है। उन्होंने कहा पशुओं में यदि कोई समस्या हो तो निकटतम पशु चिकित्सक से अवश्य परामर्श करें।

वर्ष 16 अंक 354 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, गुरूवार 29 दिसम्बर 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,एटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

WWW.nagarchhaya.com

सर्दियों में पशुओं के बचाव हेतु अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकताः डॉ. पीके उपाध्याय

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ पीके उपाध्याय ने पशु पालकों हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए बताया की सर्दियों में पशुओं के बचाव के लिए अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। जिससे पशुओं का स्वास्थ्य सही रखने के साथ ही साथ दुग्ध उत्पादन पर भी प्रभाव न पड़े। डॉ उपाध्याय ने बताया कि पशुपालकों को इस समय सचेत रहने की आवश्यकता है इसके अतिरिक्त यदि पशुओं के नाक व आंखों से पानी आ रहा हो तथा पशु को सांस लेने में परेशानी हो रही हो व पशु कांपने लगा है तो पशुपालक को समझ लेना चाहिए कि पशुओं को निश्चित रूप से सर्दी लग गई है।उन्होंने सलाह दी है कि पशुओं को सीधी सर्दी से बचाने के लिए पशुओं को ऐसे स्थान पर रखें कि पशु को सीधे हवा का असर न हो।पशुशाला के हमेशा दरवाजे व खिड़कियों पर जूट के बोरे या प्लास्टिक के पर्दे लगा दे। उन्होंने सावधान करते हुए बताया कि रात में पर्दे गिरा कर रखें व दिन में पर्दे समेट दें। जिससे दिन में पशुओं को सीधे सूर्य की धूप मिलेगी। पशुशाला में अधिक से अधिक गर्माहट रखी जाए। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया की डॉक्टर उपाध्याय ने कहा है कि पशुसाला की साफ-सफाई तथा 2 या 3 दिन पर कीटाणु नाशक से धुलाई करें। पशुओं को सर्दी में अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता होती है इसके लिए 300 ग्राम गुड प्रति पशु प्रतिदिन अवश्य खिलाये। तथा हमेशा पशुओं को ताजा पानी पिलाएं ठंडा पानी कदापि न दें। इसके अतिरिक्त 1 किलो अतिरिक्त दाना की भी आवश्यकता होती है। यदि पशुओं में अफरा रोग हो जाता है तो पशुओं को 400 से 500 ग्राम सरसों का तेल तथा 50 से 60 मिली तारपीन का तेल पिलाने से आराम मिलता है। उन्होंने कहा पशुओं में यदि कोई समस्या हो तो निकटतम पशु चिकित्सक से अवश्य परामर्श करें।

UPHIN 47963

कानपुर

प्रगति प्रभात

गुरुवार, 29 दिसंबर 2022

सर्दियों में पशुओं के बचाव हेतु अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता:डॉ पीके

प्रगति प्रभात

कानपुर। सीएसए के पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ पीके उपाध्याय ने पशु पालकों हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए बताया की सर्दियों में पशुओं के बचाव के लिए अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। जिससे पशुओं का स्वास्थ्य सही रखने के साथ ही साथ दुग्ध उत्पादन पर भी प्रभाव न पड़े। डॉ उपाध्याय ने बताया कि पशुपालकों को इस समय सचेत रहने की आवश्यकता है इसके अतिरिक्त यदि पशुओं के नाक व आंखों से पानी आ रहा हो तथा पशु को सांस लेने में परेशानी हो रही हो व पशु कांपने लगा है तो पशुपालक को समझ लेना चाहिए कि पशुओं को निश्चित रूप से सर्दी लग गई है।उन्होंने सलाह दी है कि पशुओं को सीधी सर्दी से बचाने के लिए पशुओं को ऐसे स्थान पर रखें कि पशु को सीधे हवा का असर न हो।पशुशाला के हमेशा दरवाजे व खिड़कियों पर जूट के बोरे या प्लास्टिक के पर्दे लगा दे। उन्होंने सावधान करते हुए बताया कि रात में पर्दे गिरा कर रखें व दिन में पर्दे समेट दें। जिससे दिन में पशुओं को सीधे सूर्य की धूप मिलेगी। पशुशाला में अधिक से अधिक गर्माहट रखी जाए। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया की डॉक्टर उपाध्याय ने कहा है कि पशुसाला की साफ-सफाई तथा 2 या 3 दिन पर कीटाणु नाशक से धुलाई करें। पशुओं को सर्दी में अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता होती है इसके लिए 300 ग्राम गुड प्रति पशु प्रतिदिन अवश्य खिलाये। तथा हमेशा पशुओं को ताजा पानी पिलाएं ठंडा पानी कदापि न दें। इसके अतिरिक्त 1 किलो अतिरिक्त दाना की भी आवश्यकता होती है। यदि पशुओं में अफरा रोग हो जाता है तो पशुओं को 400 से 500 ग्राम सरसों का तेल तथा 50 से 60 मिली तारपीन का तेल पिलाने से आराम मिलता है। उन्होंने कहा पशुओं में यदि कोई समस्या हो तो निकटतम पशु चिकित्सक से अवश्य परामर्श करें।

मिनी ट्रक ने रौंदा, इलाज

प्रगति प्रभात